उपराष्ट्रपति, भारत

संदेश

मैं रामनवमी के पावन दिवस के अवसर पर, जिसे भगवान राम के जन्म दिवस के रूप में मनाया जाता है, देशवासियों को अपनी शुभकामनाएं देता हूँ।

भगवान राम ने मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में अपनी भूमिका के माध्यम से मानव जाति की कई पीढ़ियों को प्रेरणा दी है ताकि वे जीवन में सदाचार के उच्च मापदण्डों को कायम रख सकें। उनके जीवन और उनकी शिक्षाओं में हमारे जीवन के सभी चरणों में मार्गदर्शन और आध्यात्मिक शांति प्रदान करने की शक्ति है।

आइये, इस पावन दिवस पर, हम स्वयं को शांतिपूर्ण और सद्भावनापूर्ण समाज की स्थापना करने के लिए भगवान राम की प्रबुद्ध शिक्षाओं के प्रति पुनर्समर्पित करें।

ह./-

(मो. हामिद अंसारी)

नई दिल्ली
22 मार्च, 2010